जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 02 दिसंबर 2019

जामिया में पूर्व डीजी सीएसआईआर ने कहा, इंटरडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण से पेचीदा वैज्ञानिक प्रश्नों को हल करना होगा

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उपचार रणनीतियों में सुधार करके मानव जीवन को बेहतर बना सकता है
- आने वाले दिनों में क्लिनिकल साइंसेज़ में डेटा विश्लेषण से निदान और उपचार में बड़ा सुधार होगा

जामिया में सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक और आईजीआईबी के संस्थापक निदेशक प्रोफेसर समीर ब्रहम्चारी ने जटिल वैज्ञानिक सवालों के समाधान के लिए इंटरडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट (एचजीपी) के बारे में उन्होंने कहा कि इसने जीवन विज्ञान अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा का स्वरूप बदल दिया है। उन्होंने एचजीपी के नतीजों और उससे उत्पन्न नए अवसरों पर भी रौशनी डाली।

प्रो ब्रह्मचारी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शताब्दी समारोह व्याख्यान श्रृंखला के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 29 नवंबर, 2019 को "रोल आॅफ मेडिसिन इन पोस्ट जीनोमिक एरा, बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस " शीर्षक पर आयोजित एक सार्वजनिक व्याख्यान में अपनी बात रख रहे थे।

उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरुआत पोस्ट डीएनए-एरा में विज्ञान की सफलताओं का परिचय कराने के साथ की। प्रोफ़ेसर ने बताया कि किस तरह से जीनोमिक्स ने फार्माकोजेनोमिक्स और पर्सनलाइज़्ड मेडिसिन की नींव रखी। अपने प्रोजेक्ट- ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी (ओएसडीडी) के बारे में प्रो ब्रह्मचारी ने कहा कि एम. तपेदिक के बारे में प्राचीन और नवीनतम उपलब्ध जैविक और आनुवंशिक जानकारी का अध्ययन और विशलेषण करके, इसके ईलाज की जल्द से जल्द दवा खोजने की कोशिश करना इसका मकसद है। भारतीय वैज्ञनिक की अगुवाई में, ओएसडीडी दुनिया का पहला क्राउड सोर्सिंग प्रोजेक्ट है।

इसके बाद उन्होंने बिग डेटा विश्लेषण के प्रभाव के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में इसके ज़रिए चिकित्सा स्थितियों में निदान और उपचार में सुधार लाया जा सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चिकित्सा में इसकी भूमिका के बारे में प्रो ब्रह्मचारी ने चर्चा की कि कैसे एआई के ज़रिए उपचार को उच्च स्तर पर पंहुचा कर मानव जीवन कहीं ज्यादा बेहतर किया जा सकता है।

उन्होंने जामिया के छात्रों को उनकी भावी परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने और उनके साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ अपने व्याख्यान का समापन किया।

व्याख्यान की अध्यक्षता जामिया की नेचुरल साइंसेज़ फैकल्टी के डीन, प्रोफेसर एम समी ने की। प्रोफेसर सीमी फरहत बसीर, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। प्रोफेसर ब्रह्मचारी का स्वागत बायोटेक्नोलॉजी विभाग के एचओडी प्रोफेसर महफूजुल हक ने किया।

व्याख्यान में न सिर्फ जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बल्कि अन्य फैकल्टी के अध्यापकों, छात्रों और शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

महफूजुल हक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ इसका समापन हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक